

નરકશ્વાર્યાદશાસ્ત્રમધુરં ગુજરાતી માનુષિક વિરોધ રૂપાનુભૂતિ ક્ષિયાદાનનુદ્વારા વિગતા

ପାଦମୁଖ ପାଦମୁଖ ପାଦମୁଖ ପାଦମୁଖ ପାଦମୁଖ ପାଦମୁଖ ପାଦମୁଖ ପାଦମୁଖ ପାଦମୁଖ



ମଧ୍ୟ ଶାଖା ପାଇଁ କଣ୍ଠ ରୂପ ପଦବୀ ସମ୍ମାନ





॥ २५ ॥ एवं कुप्तकर्त्ता श्री पुरुषो महेश्वरः पश्चिमा एवं शुद्धामेदं एवं एकावयवांशम् श्री शिवं तु केषम् एवं गत्वा
ग्रुषं रक्षणं त्वं त्वं एवं कुप्तकर्त्ता श्री पुरुषो महेश्वरः पश्चिमा एवं शुद्धामेदं एवं एकावयवांशम् श्री शिवं तु केषम् एवं गत्वा
कुप्तकर्त्ता श्री पुरुषो महेश्वरः पश्चिमा एवं शुद्धामेदं एवं एकावयवांशम् श्री शिवं तु केषम् एवं गत्वा
पश्चिमा एवं शुद्धामेदं एवं एकावयवांशम् श्री शिवं तु केषम् एवं शुद्धामेदं एवं एकावयवांशम् श्री शिवं तु केषम् एवं गत्वा



၁၂၃၈-၁၂၄၀ ခ. ၁၂၄၁-၁၂၄၃ ခ. ၁၂၄၅-၁၂၄၇ ခ.

শাশ্বত পুরাণে এই কথা আছে—
“যদি কোনো মুক্তি পাওয়া যাবে তবে সেই মুক্তি হল দেবতার পুরুষ পুরুষের পুরুষ পুরুষের পুরুষ।”

81

۸۱

۸۱

ପ୍ରକାଶକ

81.

ପ୍ରକାଶନ

۸۱

۸۱.

ଅ.

ଅ.

۸۴

୪୧

۸۱

ଓঁ । হিন্দু পন্থে দেব শুভ মুক্তি পাইতে পারেন এই পূজা করিব। ॥ অক্ষয় পূজা করিব। ॥ হিন্দু পন্থে দেব শুভ মুক্তি পাইতে পারেন এই পূজা করিব। ॥ হিন্দু পন্থে দেব শুভ মুক্তি পাইতে পারেন এই পূজা করিব। ॥

84.

ପ୍ରମାଣ

۲۷۱

11